डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

सा.अका./ 100 14 अगस्त 2019

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी द्वारा 'कहे हुसैन फकीर साईं दा : शाह हुसैन' परिसंवाद संपन्न

14 अगस्त 2019 को साहित्य अकादमी ने नई दिल्ली में एक परिसंवाद 'कहे हुसैन फकीर साईं दा : शाह हुसैन' का आयोजन किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि भारत सूफ़ी संतों और भक्त कवियों की भूमि है। अकादेमी को महान सूफ़ी संत दरवेश शाह हुसैन पर केंद्रित यह परिसंवाद आयोजित करने पर संतोष का अनुभव हो रहा है क्योंकि जब पूरी दुनिया नफ़रत, आतंक और अतिभौतिकतावाद से ग्रस्त है तब दरवेश शाह हुसैन जैसे सूफ़ी संतों की वाणियाँ ही हमें प्रेम, सद्भाव और संतोष के रास्ते पर ला सकती हैं। उन्होंने कहा कि शाह हुसैन अकबर और जहाँगीर के समकालीन थे। शाह हुसैन के गुरु अर्जुनदेव जी और छज्जू भक्त के साथ बहुत अच्छे संबंध थे। पंजाबी में एक विशेष काव्य–प्रकार है – 'काफी'। इसकी रचना की शुरुआत करने वाला भी शाह हुसैन को माना जाता है। उनकी रचना में अंतर्मन की लय और अध्यात्म का रस है। शाह हुसैन के काफियों में दार्शनिक प्रेम की अति उच्च भावना है जो सभी धर्मों, पंथों, जातियों और हर बंधन को तोड़कर अपने आराध्य से मिलने की उत्कट इच्छा से भरी हुई है। यही भावना है जो मनुष्य को उसकी स्थिति से ऊँचा उठा देती है और वह प्राणिमात्र से प्रेम करने लगता है। शाह हुसैन अपने देहावसान के समय तक एकनिष्ठ भाव से सबके मन में प्रेम की अलख जगाते रहे थे।

साहित्य अकादेमी के पंजाबी परामर्श मंडल की संयोजक तथा प्रख्यात कवयित्री वनिता ने अपने आरंभिक वक्तव्य में शाह हुसैन की पंजाबी साहित्य में अद्वितीय स्थिति का परिचय दिया और उनकी 'काफी' की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पंजाबी सूफी संत शाह हुसैन के काफियों ने पंजाब की संस्कृति, संगीत, भाषा और सभ्याचार को शामिल किया जिसके कारण वह हर पंजाबी के हृदय में बस गई है।

(1)

जारी...

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in

शाह हुसैन के आध्यात्मिक व्यक्तित्व और उनकी सामाजिक व्याप्ति पर प्रकाश डालते हुए प्रसिद्ध पंजाबी विद्वान सुखदेव सिंह सिरसा, अध्यक्ष, पंजाबी साहित्य अकादमी, लुधियाना ने अपने बीज वक्तव्य में कहा कि शाह हुसैन ने मनुष्य और परमात्मा के बीच एक ऐसा रागात्मक संबंध स्थापित करने में बड़ी भूमिका अदा की जिसके माध्यम से व्यक्ति के भीतर विराट मानवता पैदा होती है।

शाह हुसैन की भक्ति और उनकी काफियाँ जन–मन में बसी हुई हैं। समाज के साथ उनके जुड़ाव ने उनकी भक्ति को उदार, सहिष्णु तथा सबका हितकारी बना दिया। शाह हुसैन की रचनाएँ अपने आराध्य रूपी प्रियतम के प्रति एक भक्तप्रेमी की मनुहार, उलाहना और रागात्मकता का उज्ज्वल दस्तावेज़ हैं। कोई भी व्यक्ति जितना अधिक सूफ़ी–दुनिया में जाता है, उतना ही शाह हुसैन जैसे संतों के साथ जुड़ता जाता है। ये विचार शिमला विश्वविद्यालय के कुलपति हरमोहिंदर सिंह बेदी ने उद्घाटन सत्र में अध्यक्षीय वक्तव्य में व्यक्त किए।

साहित्य अकादमी के कश्मीरी परामर्श मंडल के संयोजक और प्रख्यात कश्मीरी साहित्यकार अज़ीज़ हाजिनी ने 'रांझा मिले कित्त धांगे' विषयक पहले सत्र की अध्यक्षता की और शाह हुसैन की कविता पर बात की। उन्होंने कहा कि शाह हुसैन की रचनाओं के मूल में पंजाबी के लोगों का जज़्बा, प्यार, लालसा और पवित्रता है जिसके कारण उनकी काफियाँ लोकगीतों के रूप में लोगों की जुबान पर चढ़ गईं। हरभजन सिंह भाटिया ने 'शाह हुसैन दा कलाम : अनुभव अते अंदाज़', मुस्ताक़ क़ादरी ने 'तसव्वुफ़ शाह हुसैन', तथा रवेल सिंह ने 'बिरहा अते शाह हुसैन' विषय पर अपने गंभीर आलेख प्रस्तुत किए।

दूसरे सत्र का विषय था 'दर्द विछोड़े दा हाल', जिसकी अध्यक्षता प्रख्यात पंजाबी साहित्यकार सुमेल सिंह सिद्धू ने की। इस सत्र में 'माई नी मैं केहनू आँखाँ' विषय पर पंजाबी युवा कवि और आलोचक जगविंदर जोधा ने अपना सुचिंतित आलेख प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संचालन साहित्य अकादेमी की संपादक (अंग्रेज़ी) स्नेहा चौधुरी ने किया। इस परिसंवाद में बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

(के. श्रीनिवासराव)

साहित्य अकादेमी
परिसंवाद
कहे हुसैन फ़क़ीर साईं दा : शाह हुसैन
Symposium
Kahey Hussain Faqir Sai Da : Shah Hussain
Wednesday, 14 August 2019, Delhi
के. श्रीनिवासराव
K. Sreenivasarao
सुखदेव सिंह सिरसा
Sukhdev Singh Sirsa

Bisleri
वनीता
Vanita

साहित्य अकादेमी
परिसंवाद
कहे हुसैन फ़क़ीर साईं दा : शाह हुसैन
Symposium
Kahey Hussain Faqir Sai Da : Shah Hussain
Wednesday, 14 August 2019, Delhi
के. श्रीनिवासराव
K. Sreenivasarao
Sukhdev Singh Sirsa

Sai Da : Shah Hussain
August 2019, Delhi